

वाणजिय उत्सव

चर्चा में क्यों?

21 सितंबर, 2021 को हरियाणा के उद्योग एवं वाणजिय विभाग के महानदेशक डॉ. साकेत कुमार ने गुरुग्राम में दो दिवसीय 'वाणजिय उत्सव' का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- आज़ादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर उद्योग एवं वाणजिय विभाग और केंद्रीय कपड़ा मंत्रालय के तहत काम कर रहे **अधिन नरियात संवर्द्धन परिषद (AEPC)** द्वारा इस राज्यस्तरीय 'वाणजिय उत्सव' का आयोजन किया जा रहा है।
- उल्लेखनीय है कि भारत की 75 साल की आर्थिक प्रगति को प्रदर्शित करने के लिये देश के सभी 739 जिलों में 21 सितंबर से 26 सितंबर तक 'वाणजिय उत्सव' का आयोजन किया जा रहा है। वहीं हरियाणा में दो दिवसीय राज्यस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।
- इस अवसर पर डॉ. साकेत कुमार ने बताया कि हरियाणा सरकार नरियात को बढ़ावा देने के लिये राज्य में एक नरियात संवर्द्धन ब्यूरो स्थापित करेगी, जो नरियातकों को संस्थागत सहायता प्रदान करेगा।
- उन्होंने कहा कि नरियात की सुवर्धिका के लिये राज्य के हर जिले में जिलास्तरीय नरियात संवर्द्धन समिति (DLEPC) का गठन किया गया है। इसी तरह रसद, कृषि नरियात और सेवा नरियात जैसे सभी प्रकार के व्यापार संबंधी मुद्दों की समीक्षा के लिये राज्यस्तर पर एक व्यापार संवर्द्धन समिति का गठन किया गया है।
- हरियाणा में उद्यमियों और नरियातकों को दी जा रही सुवर्धिकाओं तथा प्रोत्साहनों के बारे में एक प्रस्तुति के माध्यम से जानकारी देते हुए डॉ. साकेत ने बताया कि वर्ष 2020-21 में 1,74,572 करोड़ रुपए के नरियात मूल्य के साथ हरियाणा एक तेज़ी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है।
- गौरतलब है कि हरियाणा से अमेरिका, सऊदी अरब, ब्रिटेन, जर्मनी, नेपाल आदि को चावल, रेडीमेड वस्त्र, हथकरघा और हस्तशिल्प, ऑटोमोबाइल और उनके घटक, धातु के बर्तन, मशीनरी और पुरजे तथा दवाएँ और दवा उत्पाद मुख्य रूप से नरियात किये जाते हैं। नरियात करने वाले मुख्य जिले गुरुग्राम, पानीपत, करनाल, सोनीपत और फरीदाबाद हैं।